www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 13 || लखनऊ
सोमवार
13 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:45
सूर्यास्तः 06:29
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 03

विशेष समाचार
तेरे कूचे से बेआबरू होकर निकले... >> पेज 02
डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की 9वीं... >>पेज 04
92 की उम्र में सुरों की मलिका का....

फास्ट न्यूज

अलविदा आशा भोसले, कभी रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाला गया

मुंबई। सुरों की मल्लिका आशा भोसले का आज 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें शनिवार रात चेस्ट इन्फेक्शन के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। उन्होंने कई भाषाओं में रिकॉर्ड 12 हजार गाने गाए। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब आशा को यह कहकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाल दिया गया कि उनकी आवाज खराब है। >>विस्तृत समाचार (पेज 3)

सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334-A में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है।

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 मौतें

कटिहार। बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में NH-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए।

अब 15 साल का हिसाब देना होगा, सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए : मोदी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने TMC के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल से TMC का जाना तय है। कल

मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। PM मोदी ने CAA (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया।

उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि TMC की सरकार निर्मम है।

मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा TMC की नींद उड़ा देगी। PM का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की।

>> (शेष पेज 04 पर)

दार्जिलिंग में बीजेपी मजबूत, जलपाईगुड़ी में मुकाबला

दार्जिलिंग की सभी 5 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। जिले में 66% हिंदू और 24% बौद्ध आबादी है। पहाड़ों पर गोरखा पहचान की राजनीति चलती है,

जबकि सिलीगुड़ी जैसे मैदानी इलाकों में शहरी मुद्दे और व्यापार मुख्य हैं। राजबंशी और ST समुदाय यहां किंगमेकर रहे हैं। जिले में 82% हिंदू, 13% मुस्लिम और 3% ईसाई आबादी है।

पीएम की रैली की 3 मुख्य बातें...

- दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन TMC सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है।
- असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।
- नॉर्थ बंगाल में TMC की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है।

यूपी का बुलडोजर बंगाल में गुंडों का इलाज करेगा : योगी

ममता सरकार मुस्लिम वोट बैंक की सौदागर

तमसा संकेत, एजेंसी

सीएम योगी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा- टीएमसी के लोग चाहते हैं कि आधी आबादी उर्दू बोले। उनसे कहिए कि जहां उर्दू बोली जाती है, वहां चले जाएं। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। बंगाल में गुंडों का इलाज यूपी का बुल्डोजर करेगा। बुल्डोजर केवल सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं का भी इलाज करता है। बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों की पसलियों को मसल डालता है। सीएम ने टीएमसी नेताओं को मुस्लिम वोटबैंक की सौदागर करार दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब सड़कों पर नमाजें नहीं पढ़ी जाती हैं। मस्जिदों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। लव जिहाद के लिए सख्त कानून है। गो-हत्या नहीं हो सकती है। हर बेटी, हर व्यापारी सुरक्षित है। हर हाथ को काम है, हर खेत में पानी है। यूपी के विकास को कांग्रेस और सपा भी नहीं रोक पाई है। योगी ने कहा- जो गुंडागर्दी आज बंगाल में है, वही 9 साल पहले यूपी में थी। हर पर्व और त्योहार पर दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगता था। व्यवसाय ठप पड़े रहते थे। सरकार के समानांतर (पैरलल) गुंडे-माफिया शासन करते थे। 2017 में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई। अब यूपी में तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है।

पीस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अय्यूब ने सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से किया स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर क्षेत्र के भुलेपुर बाजार में रविवार को पीस पार्टी की ओर से सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अय्यूब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। मंच पर प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार और मीनू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भागीदारी रही। सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों और

संगठन को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाने की बात कही। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाएं। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और सौहार्द का माहौल बना रहा। कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह साफ नजर आया। सम्मेलन का समापन शांतिपूर्ण ढंग से हुआ, जहां नेताओं ने भविष्य की रणनीति और संगठन विस्तार को लेकर संकेत दिए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. अय्यूब ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीतियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो कई फैसलों में बदलाव किया जाएगा।

घोषणा : 28 अगस्त को खत्म होगी, 15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी।

57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं।

गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा। LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

यात्रा में इस बार क्या-क्या नया...

- मनोज सिन्हा के मुताबिक पिछले सालों की तुलना में व्यवस्थाओं में 25% की वृद्धि की गई है। ट्रैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए RFID कार्ड की शुरुआत की गई है।
- तीर्थयात्रियों के लिए ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कवर को दोगुना करके 5 लाख से 10 लाख कर दिया गया है।
- यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाले टट्टुओं (पोनीज) की मौत होने पर 50,000 का मुआवजा दिया जाएगा।

ईरानी नौसेना ने अमेरिकी जहाज को होर्मुज पार करने से रोका

फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरानी सेना ने एक अमेरिकी जहाज को हार्मुज स्ट्रेट से वापस लौटा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी युद्धपोत फुजैराह बंदरगाह से होर्मुज की ओर बढ़ रहा था। ईरान की सेना ने इस जहाज की गतिविधियों पर नजर रखी और इसकी जानकारी पाकिस्तान में मौजूद डेलिगेशन को दी। इसके बाद ईरानी टीम ने पाकिस्तानी मध्यस्थ के जरिए तुरंत अमेरिका को मैसेज भेजा। ईरान ने मैसेज भेजा कि अगर यह जहाज होर्मुज के करीब आया, तो उस पर हमला किया जाएगा। यहां तक कहा गया कि अगर जहाज आगे बढ़ा, तो 30 मिनट के भीतर उसे निशाना बनाया जाएगा और इसका असर अमेरिका-ईरान बातचीत पर भी पड़ेगा। बताया गया है कि सेना की सख्त प्रतिक्रिया और बातचीत टीम की चेतावनी के बाद अमेरिकी वॉरशिप को आगे बढ़ने से रोकने का फैसला लिया गया।

लाल जी टंडन कृत पुस्तक स्मृति नाद का लोकार्पण

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया संबोधित

- जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि और राजनाथ सिंह ने दीप जलाकर लालजी टंडन की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।
- राजनाथ सिंह ने लखनऊ महानगर पूर्व महामंत्री राम अवतार कनौजिया की पत्नी रानी कनौजिया के चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की पुस्तक 'स्मृति नाद' का विमोचन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पहले राजनाथ सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद किया। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडलों से 5 ए कालिदास मार्ग आवास पर भेंट की।

>> (शेष पेज 04 पर)

ट्रम्प बोले- ईरान को टोल दिया तो रास्ता नहीं मिलेगा, ईरान बोला- टोल देना ही पड़ेगा

डोनाल्ड ट्रम्प ने जहाजों की नाकाबंदी का किया ऐलान

> ट्रम्प ने कहा कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी। अमेरिका किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर युद्ध खत्म करने के लिए कार्रवाई करेगा। इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा और जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है। ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। इससे दुनिया के कई देशों और लोगों में डर और परेशानी बढ़ी है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने समुद्र में बारूदी सुरंगें होने की बात कही है, जिससे जहाजों के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसी वजह से कोई भी जहाज इस रास्ते से जाने में जोखिम नहीं लेना चाहता। उन्होंने कहा कि इससे ईरान की इमेज को नुकसान पहुंचा है और अब उसे जल्दी से यह रास्ता खोलना चाहिए। डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नौसेना जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर नाकाबंदी शुरू करेगी। जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते के जरिए दुनिया से जबरन पैसे वसूलने की कोशिश कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इस तरह के दबाव को कभी नहीं मानेगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

ईरान युद्ध में 3,375 लोगों की मौत, सरकारी संस्था का दावा

ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए युद्ध में अब तक 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी ईरान की फोरेंसिक मेडिसिन संस्था के प्रमुख अब्बास मस्जेदी अरानी ने दी है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा उन शवों की पहचान के बाद सामने आया है, जिनकी जांच फोरेंसिक टीमों ने की। कई मामलों में शवों की पहचान करना मुश्किल था, क्योंकि हमले काफी बड़े पैमाने पर हुए थे।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

- **पाकिस्तान में बातचीत बेनतीजा:** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा जिससे वह जल्दी हथियार बना सके।
- **अमेरिका ने माइंस हटाने का अभियान शुरू किया:** अमेरिकी सेना के सेंटकॉम (CENTCOM) ने कहा है कि अमेरिकी युद्धपोत समुद्री रास्ते को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहे हैं। आरोप है कि ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं।
- **नेतन्याहू बोले- अभियान अभी खत्म नहीं:** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनका कहना है कि हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब था। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचा है।
- **इमोशनल मैसेज:** ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ शुक्रवार रात प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे। ये बच्चे 28 फरवरी को मिसाइल हमले में मारे गए थे। इसका इल्जाम अमेरिका-इजराइल पर लगा था।
- **लेबनान में हमले जारी:** लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, तुफाहता इलाके में हुए हमलों में 9 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 की हालत गंभीर है।

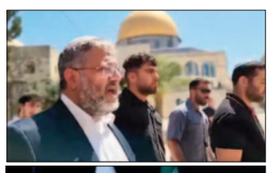

क्यों नहीं हुई ईरान-अमेरिका डील, क्या ईरान चाहकर भी नहीं खोल सकता होर्मुज

पाकिस्तान में ईरान-अमेरिका के बीच 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा रही। अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा, 'अमेरिका बिना किसी डील के वापस लौट रहा है। ये ईरान के लिए ज्यादा बुरी खबर है। हम उन्हें बेस्ट ऑफर देकर जा रहे हैं। देखना है कि वे मानते हैं या नहीं।' वहीं ईरान का कहना है कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त हैं।

प.बंगाल में एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

वोटर लिस्ट से 91 लाख नाम कटे थे, 23 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को SIR पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में SIR प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

बंगाल में 11.85% नाम हटे

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए।

सम्पादकीय

ज्ञानेश कुमार को गुस्सा क्यों आता है?

चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे। पहले तो यह संदेह हुआ कि यह वाकई चुनाव आयोग ने लिखा है या किसी ने आयोग की छवि खराब करने के लिए इस तरह तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर दो टूक बात कही है। क्योंकि पहले चुनाव से लेकर अब तक कभी ऐसा नहीं हुआ जब चुनाव आयोग ने सीधे किसी दल का नाम लेकर उसके लिए इस भाषा में बयान दिया हो। विपक्ष और आयोग के बीच कई बार रस्साकशी हुई है। बीते कुछ सालों में यह तनाव ज्यादा बढ़ गया है। जिसमें विपक्ष बार-बार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाता है और इस बार तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव लाने की तैयारी भी विपक्ष ने कर ली थी, जो सफल नहीं हुई। लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव आयोग में बैठे लोगों ने किसी एक दल का नाम लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं की, जो अब की गई है। इसके बाद अब यही बचता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के नेताओं का नाम लेकर उन्हें जवाब देने लगे। क्योंकि निष्पक्षता नाम की चिड़िया शायद डाल से उड़ चुकी है। यह पोस्ट चुनाव आयोग ने ही डाली है, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है, क्योंकि इसकी बाकायदा पृष्ठभूमि भी सामने आई है। दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 90.66 लाख वोटरों के नाम हटाने के विरोध में टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। टीएमसी के इस दल ने मुख्यतः दो बातों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा कि ममता बनर्जी ने अब तक नौ पत्र चुनाव आयोग को लिखे हैं, लेकिन लंबे समय से आयोग चुप बैठा है, पत्रों का जवाब नहीं दे रहा। और दूसरी शिकायत नंदीग्राम में मुख्य चुनाव अधिकारी और एक वरिष्ठ भाजपा नेता के बीच कथित सांठगांठ को लेकर थी। ये कोई ऐसी शिकायतें नहीं हैं, जिनका जवाब नहीं दिया जा सकता। लेकिन चार लोगों के साथ यह बैठक केवल सात मिनट ही चली। टीएमसी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनकी बातें नहीं सुनी और सात मिनट की बातचीत के बाद उन्हें गेट आउट कहा। डेरेक ओब्रायन ने कहा, 'चुनाव आयोग ने हमें अपमानित किया और परिसर छोड़ने को कहा। फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई। यह भाजपा की साजिश है। लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है।' आपको बता दें कि चुनाव आयोग की उपरोक्त पोस्ट इस बैठक के बाद ही आई है। आयोग इस बात पर इठला रहा है कि उसने टीएमसी को दो टूक जवाब दे दिया, लेकिन क्या यह शर्मिन्दगी की बात नहीं होनी चाहिए कि एक राजनैतिक दल के सवालों का संतोषजनक जवाब देने की जगह यह ढिंढोरा पीटा जाए कि हमने दो टूक जवाब दे दिया। इसका एक अर्थ यह भी होता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए खुद को जिम्मेदार नहीं मानता है। राजनीति बुधवार की बैठक के बारे में टीएमसी के आरोपों पर निर्वाचन आयोग का कहना है कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने मीटिंग ने चिल्लाते हुए कहा कि हम यहां बात सुनने नहीं आए हैं। इसके बाद मीटिंग में माहौल गरमा गया और टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल चला गया। हालांकि अब इस दल के सदस्यों ने निर्वाचन आयोग को चुनौती दी है कि वह इस बैठक की ट्रांसक्रिप्ट जारी करे। टीएमसी ने यह भी कहा है कि अगर आयोग इसे जारी नहीं करेगा तो हम इसे जारी करेंगे। अब बैठक किस वजह से पूरी नहीं हुई और किसने पहले आपा खोया, क्यों खोया? और क्या ऐसी तनातनी लोकतंत्र के लिए सही है? इन सारे सवालों के जवाब देश को दिए जाने चाहिए, इसकी पहल चुनाव आयोग से ही होना चाहिए। क्योंकि ऊंगलियां उसी पर उठी हैं। वैसे बैठक में बहस का एक और वाकया प.बंगाल के संदर्भ में ही पेश आया। जहां बुधवार को ही ज्ञानेश कुमार वर्चुअल मीटिंग ले रहे थे और सभी अधिकारियों से बारी-बारी से पूछ रहे थे कि उनके यहां कितने पोलिंग बूथ आदि हैं। जब यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी और कूचबिहार के पर्यवेक्षक बनाए गए अनुराग यादव से यही सवाल हुआ तो उन्हें जवाब देने में थोड़ी देरी हुई। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोई टिप्पणी कर दी। तो अनुराग यादव ने सख्त ऐतराज जताते हुए कहा कि आप हमसे इस तरह से बात नहीं कर सकते। हमने भी इस सेवा में 25 साल गुजारे हैं। अनुराग यादव के इस तरह से मुख्य चुनाव आयुक्त को जवाब दिए जाने के बाद कुछ देर के लिए बैठक में सन्नाटा छा गया। फिर दूसरे विषयों को लेकर बात शुरू की गई और किसी तरह बैठक को निपटाया गया। इस प्रसंग के बाद अनुराग यादव को पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया गया है। हालांकि आयोग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें हटाने की वजह बैठक में हुई बहस नहीं थी। लेकिन यह भी कहा गया कि अगर कई बार के दौरे के बावजूद पर्यवेक्षक को यह नहीं पता कि उसके क्षेत्र में कितने बूथ हैं, तो यह सही बात नहीं है। इन दोनों प्रसंगों में एक चीज सामान्य है कि ज्ञानेश कुमार पर नाराज होने का आरोप लगा है। भले वे इसके लिए सामने वाले पक्ष को जवाबदेह मानें, लेकिन इससे उनकी नाराजगी या भड़कना या आपा खोना जायज नहीं हो जाता। लोकतंत्र में यकीन और चुनाव को एक पर्व की तरह देखने वालों के लिए यह बड़ी दुखद स्थिति है कि चुनाव आयोग जैसी संस्था के सामने विश्वनीयता का संकट उसकी अपनी कारगुजारियों के कारण खड़ा हो चुका है।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

"वैसे भ्रष्टाचार के मामले में निर्णय या अनुशंसा जल्द से जल्द आना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और भ्रष्टाचार में भी हित, लाभ, हानि देखा गया ना की मेरिट। कितनी अजीब बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कार्रवाई के लिए कार्यपालिका को सूचित किया और तब मामला विधायिका तक पहुंचा लेकिन विधायिका ने भी कोई तत्परता ना ही दिखाई।

तेरे कूचे से बेआबरू होकर निकले

जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे ही दिया। वैसे क्या ही अच्छा होता कि यदि आरोप लगाते ही या नोट के कथित बंडल बराबर होते ही वह अपने पद से इस्तीफा देकर एक मिसाल कायम करते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और इस्तीफे की घोषणा तब की जब उन पर महाभियोग चलाने की औपचारिकता पूरी हुई। ऐसे में तो यही कहा जा सकता है कि उन्होंने अंत समय तक अपने हाथ पांव मारे और जब बचने का कोई रास्ता नहीं दिखा तो उन्होंने इस्तीफा दिया। अब अगर इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है तो उन्हें रिटायरमेंट के सारे लाभ मिलने लगेंगे जो महाभियोग के जरिए हटाए जाने पर नहीं मिलते। यानी यहां भी उन्होंने नैतिकता को प्राथमिकता देने के बजाय व्यक्तिगत लाभ पर फोकस किया । अब अगर उनका इस्तीफा स्वीकार हो जाता है जिसकी पूर्ण संभावना है तो उन्हें जजेज (सैलेरी एंड कमीशन सर्विस एक्ट) 1954 के तहत माना जाएगा। जानते चले की 14 मार्च 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा जो उस समय दिल्ली हाई कोर्ट के जज थे के दिल्ली स्थित सरकारी आवास के स्टोर में आग लगी थी । आग बुझाने के दौरान वहां से काफी कैश मिलने का दावा हुआ। इसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने तीन जजों की इन हाउस कमेटी बनाई थी। जांच के दौरान जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया ।

4 मई को आयी रिपोर्ट में उन्हें प्रथम द्रष्टया जिम्मेदार माना गया । लेकिन उन्हें उन्होंने तब भी पद नहीं छोड़ा। इस्तीफा न देने पर मामला राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तक गया और महाभियोग प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई थी। लेकिन उस समय जांच को फेस करने के बजाय जस्टिस वर्मा ने जांच समिति बनाई जाने के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज की कर दी तब जाकर उन्होंने इस्तीफा दिया। ऐसे में तो यही कहा जाएगा कि जब उन्होंने देख लिया कि कोई रास्ता नहीं बचा तो उन्होंने इस्तीफा दिया। गांव की भाषा में इसे कहते हैं कि तेरे कूचे से बड़े आबरू होकर निकले।

इतिहास गवाह है कि देश में अभी तक हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को महाभियोग के जरिए नहीं हटाया गया है । क्योंकि इस तरह की कारगुजारियों से न्यायपालिका की गरिमा तार तार होती है लोगों का अदालतों और न्यायपालिका से विश्वास होता है तथा आम आदमी यह कहने को मजबूर हो जाता है कि न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार है।

हम सब जानते हैं कि न्यायपालिका जनता की उम्मीद का आखिरी दरवाजा है और अगर यह दरवाजा भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया तो सब कुछ समाप्त हो जाएगा। वैसे भी पिछले कई वर्षों से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले जिस तरह के आ रहे हैं ऐसे में लोगों का विश्वास डगमगाया है। वैसे क्या ही अच्छा होता कि जब आंतरिक रिपोर्ट जस्टिस वर्मा के पक्ष में नहीं आई थी तो उसी समय वे इस्तीफा देकर न केवल विशाल कायम कर सकते थे बल्कि न्यायपालिका पर उंगली उठने से भी बचा सकते थे।

लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और ना ही अपने को बेदाग साबित करने का कोई प्रयास किया। उल्टे वे जज के रूप में प्राप्त विशेषाधिकारों का ही उपयोग करते रहे जो कि गलत था। वैसे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाना इतना आसान नहीं होता है । लेकिन मेरे विचार से अब वह समय आ गया है जब इन जजों को भी हटाए जाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। क्यों नहीं सर्वोच्च न्यायालय के पास भी इस बात का अधिकार हो कि वह शक की स्थिति में किसी भी न्यायाधीश को सेवा से अलग कर सके। वैसे भ्रष्टाचार के मामले में निर्णय या अनुशंसा जल्द से जल्द आना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और भ्रष्टाचार में भी हित, लाभ , हानि देखा गया ना की मेरिट। कितनी अजीब बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कार्रवाई के लिए कार्यपालिका को सूचित किया और तब मामला विधायिका तक पहुंचा लेकिन विधायिका ने भी कोई तत्परता ना ही दिखाई। नतीजतन आम आदमी को उंगली उठाने का मौका मिला।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच इज़रायल का हिज़्बुल्लाह पर आक्रामक रुख

पश्चिम एशिया एक बार फिर विरोधाभासों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावनाएं बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर इज़रायल ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय संतुलन को चुनौती दे रही है, बल्कि शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही है। इज़रायल का तर्क साफ है—वह अपनी सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। हिज़्बुल्लाह को वह अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है, जो ईरान के समर्थन से उत्तरी सीमा पर लगातार दबाव बनाए हुए है। ऐसे में जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर हैं, इज़रायल इसे एक अवसर के रूप में देख रहा है कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए अपने दुश्मनों को कमजोर कर दे लेकिन सवाल यह है कि क्या यह रणनीति दीर्घकालिक शांति की राह आसान करती है, या फिर इसे और जटिल बना देती है? शांति वार्ता का मूल उद्देश्य तनाव कम करना होता है, जबकि इज़रायल के हमले उसी समय तनाव को बढ़ा रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने हितों को प्राथमिकता दे रही हैं, भले ही इससे व्यापक शांति प्रक्रिया प्रभावित हो। लेबनान की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पहले से ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा यह देश अब एक नए संघर्ष की आग में झुलस रहा है। आम नागरिकों के लिए यह हालात और भी भयावह होते जा रहे हैं, जहां हर विस्फोट के साथ जीवन और भविष्य दोनों अनिश्चित होते जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में ईरान की भूमिका भी अहम है।

हिज़्बुल्लाह को उसका समर्थन इज़रायल के लिए सीधी चुनौती है। ऐसे में अमेरिका–ईरान वार्ता का परिणाम चाहे जो भी हो, इज़रायल अपनी सुरक्षा रणनीति में कोई ढील देने के मूड में नहीं दिखता। यह स्थिति एक बड़े सवाल को जन्म देती है—क्या पश्चिम एशिया में शांति केवल कूटनीतिक वार्ताओं से संभव है, या इसके लिए सभी पक्षों को एक समान प्रतिबद्धता दिखानी होगी? जब तक एक ओर बातचीत और दूसरी ओर बमबारी का सिलसिला चलता रहेगा, तब तक शांति एक दूर का सपना ही बनी रहेगी। आज जरूरत इस बात की है कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतें और शांति प्रक्रिया को कमजोर करने वाले कदमों से बचें। वरना, यह विरोधाभास न केवल वर्तमान संकट को गहरा करेगा, बल्कि भविष्य में किसी स्थायी समाधान की संभावनाओं को भी धूमिल कर देगा। पाकिस्तान में चल रही अमेरिका -ईरान शांति वार्ता के बीच इजरायल हिज़्बुल्लाह लेबनान पर जबरदस्त हमलें कर रहा है।

सौरभ वार्ष्णेय

जहां तक महिला आरक्षण...

कमलेश पांडेय

आखिर राज्यसभा और विधानपरिषदों में महिलाओं को क्यों नहीं मिलेगा आरक्षण? पूछ रही है आधी आबादी!

भारतीय संसद द्वारा देश की आधी आबादी समझी जाने वाली महिलाओं को महज 33 प्रतिशत आरक्षण देने की एक सकारात्मक नीतिगत पहल तो लोकसभा और विधानसभाओं के लिए की गई लेकिन उच्च सदन समझे जाने वाले राज्यसभा और विधान परिषदों के लिए उन्हें उनके स्वाभाविक हक से क्यों वंचित रखा गया, इसके सियासी मायने तलाशे जाने लगे हैं। पहला, क्या उनकी विद्वता पर हमारे नेताओं को संदेह है? दूसरा, क्या वह धनकुबेरों की जमात में शामिल नहीं हैं इसलिए इन सदनों के लिए उपयोगी नहीं समझी गईं? तीसरा, आरक्षण के भीतर दलितों, पिछड़ों और गरीब सवर्णों को आरक्षण देने की मांगों को तवज्जो देने में क्या और किसको हर्ज है? चौथा, जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के तर्ज पर 50 प्रतिशत उन्हें आरक्षण क्यों नहीं दिया गया जबकि कई राज्यों में त्रिस्तरीय पंचायती राज निकायों में उन्हें यह प्राप्त है? पांचवां, क्या त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में महिला आरक्षण की सीमित सफलता से लोकसभा और विधान सभाओं के रणनीतिकार किसी पशोपेश में हैं? आइए इन सबकी पड़ताल करते हैं, ताकि आधी आबादी का भला हो। कहना न होगा कि उच्च सदन राज्यसभा व विधान परिषदों में महिलाओं को 33% आरक्षण न देने का निर्णय भारतीय राजनीति में लैंगिक समानता और प्रतिनिधित्व पर गंभीर प्रभाव डालता है। यह लोकसभा और विधानसभाओं तक सीमित नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023, (महिला आरक्षण विधेयक) के कारण है जो अप्रत्यक्ष रूप से चुनी जाने वाली इन संस्थाओं को बाहर रखता है। इससे निश्चय ही उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राज्यसभा के सदस्य राज्य विधानसभाओं द्वारा चुने जाते हैं, जहां 33% महिला आरक्षण लागू होगा, लेकिन विधान परिषद में इनकी अनुपस्थिति से यह चक्र टूट जाता है। इससे राज्यसभा में महिलाओं का अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व सीमित रहता है, क्योंकि विधान परिषदों वाली विधानसभाओं में कुल आरक्षण प्रभावित होता है। इसलिए राजनीतिक विश्लेषकों को आशंका है कि यह असंतुलन उच्च सदनों में पुरुष-प्रधानता को बनाए रख सकता है, जहां नीति-निर्माण पर महिलाओं का प्रभाव

कम रहेगा। इस तकनीकी त्रुटि के सामाजिक और कानूनी निहितार्थ भी हैं। आमतौर पर महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी स्थानीय स्तर पर यानी त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं, यथा- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायतों, पंचायत समितियों, जिला परिषदों और शहरी क्षेत्रों के लिए नगर पंचायतों/नगर परिषदों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों में 33% तक सीमित रहने से राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व विकास रुक सकता है क्योंकि ओबीसी /एससी/एसटी/गरीब सवर्ण महिलाओं के लिए भी राज्यसभा में प्रतिनिधित्व की कमी सामाजिक न्याय को प्रभावित करती है। जनगणना और परिसीमन सम्बन्धी प्रावधानों को बदलने के बाद आम चुनाव 2029 से इसे लागू करने के लिए संसद के मौजूदा सत्र में संशोधन विधेयक लाया जाएगा जो सुप्रीम कोर्ट में चुनौती का विषय बन चुका है। जहां तक दीर्घकालिक चुनौतियों की बात है तो राज्यसभा और विधान परिषदों में महिलाओं का यह बहिष्कार राजनीतिक दलों को राज्यसभा में महिलाओं को टिकट न देने का अवसर देता है जिससे पितृसत्तात्मक संरचना मजबूत होती है। लिहाजा, इसमें अविलम्ब सुधार के लिए संविधान संशोधन जरूरी है लेकिन राजनीतिक सहमति की कमी इस दिशा की सबसे बड़ी बाधा है। परिणामस्वरूप, महिलाओं का नीति-निर्माण में योगदान अपूर्ण रहता है, जो समग्र लोकतंत्र को कमजोर करता है। सवाल है कि वो कौन से राजनेता और राजनीतिक दल हैं, जो राज्यसभा और विधान परिषदों में महिलाओं को उनका वाजिब हक भी नहीं देना चाहते। क्या उनकी माँ, बहनों, बेटियों का स्वाभाविक हक उनके इस कदम से नहीं मारा जाएगा, उन्हें अपने दिन से ही पूछना चाहिए। सवाल है कि राज्यसभा और विधान परिषद में महिलाओं का वर्तमान प्रतिनिधित्व कितना है? तो आंकड़े बताते हैं कि राज्यसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वर्तमान में लगभग 13% है, जबकि विधान परिषदों में यह और भी कम, मात्र 5% के आसपास है। अप्रैल 2026 तक राज्यसभा के कुल 245 सदस्यों में से 233 चुने हुए और 12 नामित में महिलाओं की संख्या करीब 30-35 है। वहीं, 6 राज्यों में विधान परिषद के कुल 600 सदस्यों में महिलाओं की संख्या लगभग 30 है। राज्यसभा में महिलाओं का प्रतिशत 13% के आसपास स्थिर है, जो वैश्विक औसत से कम है। जहां तक विधान परिषद में स्थिति की बात है तो भारत के 6 राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र) में ही विधान परिषदें हैं, जहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व औसतन 5% है जबकि यह राज्य विधानसभाओं के 9% से भी कम है, जो लैंगिक असंतुलन को दर्शाता है। कुल मिलाकर विधान परिषदों के लगभग 600 सदस्य हैं जो अप्रत्यक्ष चुनाव से चुने जाते हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की 100, महाराष्ट्र की 78, बिहार की 75, कर्नाटक की 75, आंध्र प्रदेश की 58 और तेलंगाना की 40 सीटें शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के कई राज्यों में पहले विधान परिषद अस्तित्व में थी लेकिन बाद में विभिन्न कारणों से समाप्त कर दी गई। जहां तमिलनाडु में 1986 में प्रस्ताव पारित करके समाप्त की गई, वहीं जम्मू-कश्मीर में 2019 में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के चलते समाप्त हुई जो अब केंद्र शासित प्रदेश बन चुका है। वहीं, असम, पश्चिम बंगाल, पंजाब, मध्य प्रदेश में पहले विधान परिषद थी, जो बाद में समाप्त की गई। चूंकि संविधान के अनुच्छेद 169 के तहत कोई भी राज्य विधानसभा विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करके, और फिर संसद में साधारण बहुमत से उसे अनुमोदित करवाकर विधान परिषद का अस्तित्व समाप्त कर सकती हैं, इसलिए उन्होंने ऐसा किया। यह प्रक्रिया राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करती है। अब सवाल दर सवाल जवाब तलाशते हैं। पहला, क्या उनकी विद्वता पर हमारे नेताओं को संदेह है?

दरअसल जब...

ओ.पी. पाल

तमिलनाडु विधानसभा चुनावः द्रविड़ सियासत का 'लिटमस टेस्ट' या नए युग का आगाज़

तमिलनाडु की राजनीति को समझने के लिए अक्सर वहां की रैलियों का शोर और सिनेमाई सितारों का 'कट-आउट' काफी माना जाता रहा है लेकिन 23 अप्रैल 2026 को विधानसभा की 234 सीटो पर होने वाले चुनाव से ठीक पहले राज्य की गलियों में पसरा 'सन्नाटा' किसी खामोशी का नहीं बल्कि एक बहुत बड़े सियासी मंथन का संकेत है। इस बार का चुनाव केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है बल्कि यह इस बात का लिटमस टेस्ट है कि क्या 50 साल पुराना द्रविड़ वर्चस्व अब बहु-ध्रुवीय राजनीति के सामने झुकने को तैयार है? यानी एक गहरी राजनैतिक परिपक्वता और त्रिस्तरीय मुकाबले का संकेत है। विशेषकर महिला मतदाता, जो राज्य की आबादी का 51 प्रतिशत हैं, उन्होंने अपनी चुप्पी से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों खेमों की नींद उड़ा दी है हालांकि सभी राजनीतिक दल अपनी नई चुनावी रणनीति के साथ चुनावी जंग में हैं। तमिलनाडु राजनीति के इतिहास पर नजर डाली जाए, तो चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सियासी तस्वीर काफी बदली हुई नजर आ रही है। जहां पहले चुनावों में किसी एक पार्टी या गठबंधन की लहर नजर आती थी, वहीं इस बार ऐसा कोई सियासी परिदृश्य नहीं है। राजग और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में हैं लेकिन जनता का मूड अभी भी शांत और सोच-समझकर फैसला लेने वाला दिख रहा है। राज्य में चुनावी सरगिर्मयों के बीच इस बार चुनावी रैलियों में वह पारंपरिक उन्माद नहीं दिख रहा, जो कभी एमजीआर, जयललिता या करुणानिधि के दौर में होता था। इस बार मतदाता मौन है और लगता है कि जनता इस बार उम्मीदवारों के चेहरों को नहीं, बल्कि उनके ट्रैक रिकॉर्ड को तौल रही है। यह सन्नाटा बताता है कि मतदाता इस बार 'लहर' के बहाव में नहीं, बल्कि 'परिणाम' के प्रभाव पर वोट करेगा। मसलन इस बार का चुनाव यह तय करेगा कि क्या तमिलनाडु अपनी पारंपरिक द्रविड़ सीमाओं में ही रहेगा या फिर वह राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति और नए क्षेत्रीय चेहरों के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। दरअसल जब तमिलनाडु का मतदाता शांत होता है, तो वह अक्सर किसी बड़े 'उलटफेर' की पटकथा लिख रहा होता है। 4 मई के नतीजे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की अगली आधी सदी का रुख तय करेंगे। सत्ताधारी डीएमके अपने 'द्रविड़ मॉडल' और महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के लिए यह चुनाव अपनी विरासत को स्थायी बनाने की लड़ाई है। इसमें उनका मजबूत कैडर और सरकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच मानी जा रही है।

हालांकि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का चेहरा सबसे बड़ा है, लेकिन गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, छोटे दलों और वामपंथी दलों में दबी हुई नाराजगी के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल की कमी एक 'अदृश्य दरार' पैदा कर रही है। वहीं सनातन धर्म जैसे विवादित बयानों ने जिस तरह राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन को असहज किया है, उसका असर स्थानीय स्तर पर भाजपा भुनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा के लिए तमिलनाडु हमेशा से एक 'अजेय दुर्ग' रहा है लेकिन इस बार पार्टी ने अपनी रणनीति बदली है।

जरा हटके

राज्यसभा में महिलाओं...

राजेश श्रीवास्तव

कहीं जुबानी जंग बिगाड़ तो नहीं देगी शांति वार्ता का मकसद

पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता चल रही है। एक राउंड वार्ता आमने-सामने हो भी चुकी है और वार्ता को एक दिन के लिए बढ़ाया भी गया है। ऐसे में कुछ तो उम्मीद नजर आ रही है क्योंकि युद्ध विराम अमेरिका और इजरायल दोनों देशों की जरूरत है और दुनिया भी इसी की ओर ताक रही है लेकिन अगर आप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इरान के अराघची के बयानों पर नजर डालें तो युद्ध विराम या फिर शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद बेहद क्षीण होती नजर आती हैं। ऐसा लगता नहीं हैं कि कूटनीति की मेज पर होने वाली बातचीत से कोई हल निकलेगा जबकि संभावना जताई जा रही है कि इस अमेरिका-ईरान के बीच इस शांति वार्ता से पश्चिम एशिया संकट का हल निकल सकता है। लेकिन इसकी उम्मीदें कम ही हैं। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया बयान। वहीं, ईरान भी अमेरिका के आगे झुकने को तैयार नहीं है। पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल होती है, तो अमेरिका ईरान पर अपने सबसे बेहतरीन हथियारों का इस्तेमाल करके एक बड़ा सैन्य हमला करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में हालिया तैनातियों के बाद अमेरिकी सैनिकों की संख्या 50000 के पार पहुंच गई है। वहां पहले से ही करीब 2500 मरीन और 2500 नौसैनिक मौजूद हैं। अमेरिकी युद्धपोतों की संख्या भी खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी है। वहीं, कई युद्धपोत

पश्चिम एशिया की ओर रवाना भी हुए हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ कर रहे हैं, जो विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ आधी रात के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जिनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं। इसके साथ अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के अधिकारी ब्रैड कूपर भी वहां पहुंचे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इन वार्ताओं को 'मेक ऑर ब्रेक' (बनेगा या टूटेगा) करार दिया है। शांति वार्ता से पहले ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ के नेतृत्व में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा। वहीं, अमेरिका के साथ होने वाली शांति वार्ता से पहले गालिबाफ ने साफ कर दिया है कि ईरान की पहले की शर्तें पूरी होने पर ही बातचीत आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार, लेकिन हमें अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने यह भी कहा कि तेहरान की मांगों में लेबनान में युद्धविराम शामिल है। ईरान और मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान ने भी कहा कि यह अमेरिका के साथ युद्धविराम का हिस्सा होना चाहिए था हालांकि, अमेरिका और इस्राइल ने इस बात से इनकार किया है। कहा जा सकता है कि ईरान की पूर्व-शर्तों पर अमेरिकी मुहर लगने से ही शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद है। वार्ता के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भले ही इस्राइल युद्धविराम का स्वागत करता है, लेकिन लेबनान पर हमले नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा कि वे हिजबुल्ला को खत्म करने के अपने मिशन को जारी रखेंगे। गौरतलब है कि लेबनान पर इस्राइली सेना की ओर से हमलों में कमी नहीं आई है। इस बीच ईरान ने जो प्रमुख शर्तें रखी हैं उससे भी इस शांति वार्ता पर पलीता लगता दिख रहा है । उसकी शर्तों में अमेरिका द्वारा ईरान पर लगे सभी प्रतिबंधों को स्थायी रूप से हटाना। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण जारी रखना । ईरान को मिले यूरेनियम संवर्धन जारी रखने का अधिकार। क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य बलों की पूरी तरह वापसी । अमेरिका द्वारा ईरान पर भविष्य में कोई सैन्य हमला न करने का लिखित आश्वासन। संघर्ष के कारण ईरान को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा। ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और परमाणु ऊर्ज़ा एजेंसी के सभी प्रस्तावों को रद्द करना। लेबनान, इराक और यमन सहित सभी मोर्चों पर युद्ध की पूर्ण समाप्ति। यह सभी शर्तें मान पाना अमेरिका के लिए लगभग असंभव ही है जबकि अमेरिका ने भी कई अहम शर्तों का पुलिंदा थमा दिया है जिसके तहत 30 दिनों का युद्धविराम। ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट करना। भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं करने का भरोसा। संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्ज़ा एजेंसी (आईएईए) को सौंपना। ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे की आईएईए द्वारा पूर्ण निगरानी और देश के भीतर यूरेनियम संवर्धन पर रोक। क्षेत्रीय प्रॉक्सी (हिजबुल्ला, हमास आदि) के लिए ईरान का समर्थन खत्म करना। क्षेत्रीय ऊर्ज़ा बुनियादी ढांचे पर ईरान के हमलों को रोकना। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना। ईरान पर अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को हटाना। ईरान की मिसाइलों की संख्या और उनकी रेंज सीमित करने की मांग। इसलिए दोनों ओर की जुबानी जंग इस शांति वार्ता को एक मंसूबे तक पहुंचायेगी, यह कहना बहुत मुश्किल है। काश ऐसा न हो और दुनिया शांति की ओर बढ़े लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

डिफेंडिंग चैंपियन को हराया, 60 साल बाद कोई भारतीय मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल मे

इतिहास

झेजियांग, एजेंसी

रतीय बैडमिंटन के युवा सितारे आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाकर 60 साल का लंबा इंतजार खत्म कर दिया है। आयुष से पहले यह उपलब्धि भारत के दिनेश खन्ना ने 1965 में हासिल की थी, जब उन्होंने न सिर्फ फाइनल खेला बल्कि गोल्ड मेडल भी जीता था। गौरतलब है कि दोनों खिलाड़ी पिछले साल आर्कटिक ओपन में

आयुष ने सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया।

आमने-सामने आए थे, जहां वितिदसर्न ने सीधे गेम में जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार आयुष ने अपने खेल में सुधार दिखाते हुए न सिर्फ हार का बदला लिया बल्कि फाइनल का टिकट भी हासिल किया। आयुष का सफर इस टूर्नामेंट में बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत खिलाड़ियों को भी मात दी। आयुष शेट्टी का यह सफर अचानक नहीं आया, बल्कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।क्वार्टर फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के दिग्गज और वर्ल्ड नंबर-4 खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देने वाली साबित हुई।इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को भी मात देकर अपनी काबिलियत साबित की। अब सभी की नजरें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां आयुष शेट्टी का सामना चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।दोनों ही खिलाड़ी विश्व स्तरीय हैं, ऐसे में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। आयुष शेट्टी का यह प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। युवा उम्र में जिस तरह उन्होंने बड़े-बड़े खिलाड़ियों को हराया है।

सेमीफाइनल में टॉप सीड को दी मात

20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के दिग्गज खिलाड़ी कुन्लावत वितिदसर्न को कड़े संघर्ष में हराया। यह मुकाबला तीन गेम तक चला, जिसमें आयुष ने 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और पेरिस ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वितिदसर्न के खिलाफ जबरदस्त वापसी करते हुए अपनी मानसिक मजबूती का परिचय दिया। पहला गेम गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और मैच अपने नाम किया।

दिनेश खन्ना की ऐतिहासिक जीत की याद

भारत के लिए इस चैंपियनशिप में अब तक एकमात्र गोल्ड मेडल दिनेश खन्ना ने 1965 में जीता था। उस समय उन्होंने लखनऊ में खेले गए फाइनल में थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

अब खिताब पर नजर

फाइनल में आयुष शेट्टी का मुकाबला चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारत को अब उम्मीद है कि आयुष इस शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतेंगे। थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

आईपीएल में लगातार तीन हार के बाद जीती चेन्नई

दिल्ली को 23 रन से हराया, सैमसन का शतक, ओवर्टन को 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL के मौजूदा सीजन में पहली जीत हासिल कर ली है। लगातार तीन हार के बाद चेन्नई को यह कामयाबी नसीब हुई है। उसने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेपॉक स्टेडियम में DC ने गेंदबाजी चुनी। चेन्नई ने 20 ओवर के बाद 2 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 10 विकेट पर 189 रन ही बना सकी। जैमी ओवर्टन ने 18 रन देकर 4 विकेट झटके। मैच का स्कोरकार्ड चेन्नई की ओर से संजू सैमसन ने शतकीय पारी खेली।

उन्होंने तीसरी टीम से शतक लगाया है। इससे पहले वे राजस्थान से 2 और दिल्ली से एक शतक लगा चुके हैं। संजू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दिल्ली की पारी में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनकी पारी में 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। चेन्नई की टीम सीजन की पहली जीत से पॉइंट्स टेबल के नंबर-9 पर है। वहीं, दिल्ली लगातार दूसरी हार के बाद नंबर-4 पर है।

चेन्नई के पास 2 और दिल्ली के पास 4 अंक हैं। दिन का पहला मैच जीतने वाली पंजाब की टीम दूसरे स्थान पर हैं। पंजाब के पास 7 अंक हैं। 213 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली की टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने आखिरी बॉल पर लुंगी एनगिडी का विकेट गंवाया। इसी के साथ टीम को 23 रन से हार का सामना करना पड़ा। 19वें ओवर की तीसरी बॉल पर दिल्ली ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर ट्रिस्टन स्टब्स 60 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जैमी ओवर्टन ने नूर अहमद के हाथों कैच कराया। उन्होंने आकिब नबी (4 रन), डेविड मिलर (17 रन) और समीर रिजवी (6 रन) के विकेट लिए।

92 की उम्र में सुरों की मलिका का निधन

आशा भोसले नहीं रहीं, तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में थीं भर्ती

मुंबई। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ। डॉ. प्रतीत समदानी ने PTI को बताया कि आशा भोसले को मल्टी ऑर्गन फैल्योर हुआ, यानी उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

आरडी बर्मन की मां ने कहा था शादी मेरी लाश पर होगी

आशा भोसले ने दूसरी शादी संगीतकार आरडी बर्मन से की थी। दोनों की पहली मुलाकात 1956 में हुई थी। वहीं, उनकी गहरी दोस्ती और संगीत का सफर फिल्म तीसरी मंजिल (1966) के दौरान शुरू हुआ। फिर लगातार काम करते हुए दोनों की अच्छी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदलनी शुरू हुई। आरडी बर्मन ने एक दिन मौका पाकर आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। आशा ने तुरंत हां कर दी थी, लेकिन बर्मन की मां ने शादी से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने बर्मन से कहा कि अगर ये शादी होगी तो मेरी लाश पर ही होगी। बर्मन की मां इसलिए इनकार कर रही थीं, क्योंकि आशा उनसे 6 साल बड़ी थीं और 3 बच्चों की मां थीं।

ममता बनर्जी ने कहा कि आशा भोसले एक अद्भुत और प्रेरणादायक सिंगर थीं, जिन्होंने पीढ़ियों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने यह भी कहा कि आशा भोसले ने कई बंगाली गीत भी गाए और बंगाल में भी वह बेहद लोकप्रिय थीं। वर्ष 2018 में उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बंग विभूषण से सम्मानित किया गया था। ममता बनर्जी ने उनके परिवार, संगीत जगत और दुनिया भर में मौजूद उनके करोड़ों प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

देवेंद्र फडणवीस बोले- यह हम सभी के लिए बड़ी क्षति

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'यह पूरे भारत और दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के लिए दुख का क्षण है। वह सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक थीं। संगीत के प्रति उनकी सेवा और मंगेशकर परिवार का योगदान अतुलनीय रहा है। हमने पहले लता दीदी को खोया और आज यह क्षति देख रहे हैं। हम सभी बहुत दुखी हैं। यह हम सभी के लिए एक बड़ी क्षति है। हम शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।' कल सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक लोअर परेल स्थित उनके निवास पर लोग अंतिम दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे शिवाजी पार्क श्मशान में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।"

आशा भोसले और किशोर कुमार ने एक साथ 600 से अधिक युगल गीत (duet) गाए हैं।

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा भोसले ने अपने करियर में 14 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी सदाबहार हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं।

मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण निधन हुआ

आशा भोषले के निधन पर डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया, "यह बहुत दुखद है कि आशा भोसले जी का आज निधन हो गया।

उन्हें कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ।" आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया, "आज उनका निधन हो गया।

जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।"

साउंड रिकॉर्डिस्ट ने आवाज को खराब बताया था

आशा भोसले ने 50 से 90 के दशक के बीच ओपी नैयर, आरडी बर्मन, खय्याम और बप्पी लहरी जैसे कई संगीतकारों के साथ काम किया।

कई सदाबहार गाने गाए। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब इसी आवाज को खराब बताकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से वापस भेज दिया गया था। आरजे अनमोल के साथ बातचीत में आशा भोसले ने बताया था कि खराब आवाज बताकर उन्हें और किशोर कुमार को रिकॉर्डिंग स्टूडियो से बाहर जाने के लिए कहा गया था।

उन्होंने बताया था कि 1947 में वह किशोर कुमार के साथ जे.बी. रूंगटा के फेमस स्टूडियो में राज कपूर और नरगिस स्टारर फिल्म जान पहचान के लिए गाना रिकॉर्ड करने गई थीं। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद प्रकाश थे।

आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में 'चला चला नाव वाला' गाया था।

मराठी फिल्म में गाया था पहला गाना

8 सितंबर 1933 को आशा भोसले का जन्म एक संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक एक्टर और क्लासिकल सिंगर थे। आशा भोसले स्वर कोकिला लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। आशा भोसले जब नौ साल की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी फैमिली पुणे से कोल्हापुर और बाद में मुंबई आ गई। बड़ी बहन लता मंगेशकर के पद्चिन्हों पर चलते हुए वह भी संगीत की दुनिया में आईं। आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में 'चला चला नाव वाला' गाया था। जबकि बॉलीवुड में उनका पहला गाना 'चुनरिया (1948)' फिल्म में 'सावन आया' था।

16 साल की उम्र में भागकर शादी की थी

16 साल की उम्र में आशा भोसले ने बड़ी बहन लता के 31 साल के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से भागकर शादी की थी। लता जी और उनका परिवार इस शादी के सख्त खिलाफ था। इसके कारण उन्होंने आशा से लंबे समय तक बातचीत बंद कर दी थी। शादी के बाद आशा भोसले को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और वह घरेलू हिंसा का शिकार भी हुईं। वह जिंदगी से इतनी निराश हो गई थीं कि खुद को खत्म करना चाहती थीं। 1960 में वह पहले पति से अलग हो गईं।

"आशा भोसले और किशोर कुमार ने गाना शुरू किया। इसके बाद साउंड रिकॉर्डिस्ट रॉबिन चटर्जी ने बंगाली में कहा था कि आप लोगों की आवाज माइक में अच्छी नहीं लग रही है। किशोर कुमार समझ गए क्योंकि वह बंगाली जानते थे। उन्होंने आशा भोसले से कहा कि कुछ गड़बड़ है।

एफ-1 टीम मर्सिडीज के बॉस का फलसफा

कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए सपना हो

नई दिल्ली, एजेंसी

फॉर्मूला-1 की दुनिया में मर्सिडीज टीम के बॉस और सीईओ टोटो वोल्फ की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। 2014 से 2020 तक लगातार सात ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाली उनकी टीम 2026 में फिर टॉप पर है। सफलता के शिखर पर बैठे वोल्फ मानते हैं कि एक खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए तीन चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं- प्यार करने के लिए कोई अपना हो, करने के लिए कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए कोई सपना हो खाली बैठना इंसान को नकारात्मकता की ओर ले जाता है और बिना सपनों के इंसान कितनी भी बड़ी कामयाबी हासिल कर ले, वह डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। छह बिलियन डॉलर (लगभग 55 हजार करोड़ रुपए) का साम्राज्य चलाने वाले वोल्फ का मानना है कि फॉर्मूला वन

सिर्फ मशीनों और डेटा का खेल नहीं है, बल्कि यह इंसानी जज्बातों से गहराई से जुड़ा है।

उनका तर्क है कि फैसले डेटा नहीं, बल्कि इंसान लेते हैं। उनकी इस गहरी मानवीय सोच और मजबूत लीडरशिप के पीछे बचपन का कड़ा संघर्ष है। पिता की गंभीर बीमारी के बाद 8-9 साल की उम्र में ही उन पर छोटी बहन की जिम्मेदारी आ गई। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने उन्हें एक प्राइवेट स्कूल में भेजा था, लेकिन फीस न भर पाने के कारण अक्सर उन्हें और बहन को क्लास से बाहर कर दिया जाता था।

ईरान-अमेरिका वार्ता बेनतीजा रहने से दबाव में बाजार

इस हफ्ते विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी, ग्लोबल मार्केट की चाल पर भी रहेगी नजर

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका वार्ता में कोई ठोस समझौता न होने से 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में बाजार में तेज उतार-चढ़ाव दिख सकता है। कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें, विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी और ग्लोबल मार्केट की चाल भी बाजार की दिशा तय करने वाले मुख्य कारण होंगे। शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता फरवरी 2021 के बाद सबसे बेहतरीन रहा। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत से तनाव कम होने की उम्मीद में निफ्टी 6% की मजबूती के साथ 24,050 के स्तर पर बंद हुआ। अब क्या बाजार इस बढ़त को बरकरार रख पाएगा। मिड-ईस्ट में तनाव कम करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में चल रही 21 घंटे की लंबी बातचीत बिना

किसी समझौते के खत्म हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वे बिना किसी डील के वापस लौट रहे हैं। इसका सीधा असर सोमवार को बाजार और कच्चे तेल की कीमतों पर दिख सकता है। अगर क्रूड की कीमतें बढ़ती हैं, तो इससे भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ेगा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 95.20 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। बाजार की नजर इस हफ्ते आने वाले चौथी तिमाही (Q4) के नतीजों पर भी रहेगी। BSE में लिस्टेड करीब 50 कंपनियां अपने नतीजे पेश करेंगी।

दक्षिण कोरिया में आग से जले दो फायरफाइटर्स की मौत, हंगरी में आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

मातम और मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव

विदाई

सियोल, एजेंसी

लेबनान में शोक और गुस्से का माहौल उस समय और गहरा गया, जब इस्राइली हवाई हमले में मारे गए 13 लेबनानी सुरक्षा अधिकारियों को अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान महिलाएं काले कपड़ों में चीख-पुकार कर रहीं थी और छोटे बच्चे अपने पिता और रिश्तेदारों को पुकारते हुए बिलख रहे थे। अंतिम संस्कार के दौरान हर ओर दुख और पीड़ा का दृश्य था। वर्दीधारी सुरक्षाकर्मी भी अपने साथियों को याद कर फूट-फूटकर रो पड़े। पिछले एक सप्ताह में लेबनान के विभिन्न हिस्सों में ऐसे सैकड़ों अंतिम संस्कार हो चुके हैं, क्योंकि इस्राइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला के ठिकानों और लड़ाकों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष में अब

तक लेबनान में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को दक्षिणी शहर नबातियेह में सुरक्षा बलों के मुख्यालय पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कई सुरक्षा अधिकारियों की मौत हुई है। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब इससे महज दो दिन पहले बेरूत समेत अन्य इलाकों में हुए इस्राइली हमलों में 350 से अधिक लोगों की जान गई थी, जो लेबनान के इतिहास के सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इराक की संसद ने शनिवार को कुर्द नेता निजार अमीदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया। यह चुनाव संसदीय चुनाव के पांच महीने बाद हुआ, जब किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। अमीदी की नियुक्ति तब हुई है। जब इराक अमेरिका इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के प्रभाव से जूझ रहा है। अमीदी देश की प्रमुख कुर्द पार्टी पैट्रियॉटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान से जुड़े हैं।

इस्राइल-लेबनान बातचीत टली

लेबनान और इस्राइल, जिनके बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, दशकों में पहली बार अगले सप्ताह अमेरिका में प्रत्यक्ष वार्ता शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि अब यह बातचीत टल गई है। दरअसल इस बातचीत के खिलाफ लेबनान में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए। जिससे प्रधानमंत्री नवाफ सलाम पर दबाव बढ़ा है। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लेबनान की सरकार के प्रतिनिधि अब इस्राइल के साथ बातचीत के लिए अमेरिका नहीं जाएंगे। हालांकि अभी दोनों देशों की मुलाकात राजदूत स्तर की होगी।

भारत आएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह, पीएम मोदी का न्योता किया स्वीकार

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री बालेन शाह भारत की यात्रा पर आएंगे। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीएम बालेन शाह ने इस निमंत्रण को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया है। यह दौरा दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्तों को और भी मजबूती देने के इरादे से देखा जा रहा है। पूर्व रैपर और स्ट्रक्चरल इंजीनियर 35 वर्षीय बालेन काठमांडो के मेयर के रूप में अपनी धाक जमाने के बाद हालिया चुनावों में शानदार जीत हासिल की। उनकी यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी। जो उनके राजनीतिक जीवन के लिए एक बड़ा मील का पत्थर मानी जा रही है।

पाकिस्तान बोला- अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में मध्यस्थता जारी रहेगी; युद्धविराम मानने का किया आग्रह

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि वह अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता को सुगम बनाना जारी रखेगा। इसके साथ ही दोनों पक्षों से युद्धविराम का पालन करने का आग्रह किया। अमेरिका और ईरान के बीच लंबी बातचीत बिना किसी सफलता के समाप्त होने के बाद मीडिया को दिए एक संक्षिप्त बयान में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले 24 घंटों में कई दौर की गहन और रचनात्मक चर्चाओं में मध्यस्थता करने में मदद की है। उन्होंने कहा, "मैंने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ मिलकर दोनों पक्षों के बीच गहन और रचनात्मक वार्ता के कई दौरों में मध्यस्थता करने में मदद की, जो पिछले 24 घंटों तक जारी रही और आज सुबह समाप्त हुई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम से की मुलाकात

अबू धाबी, एजेंसी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने क्षेत्र की बदलती स्थिति और उसके प्रभावों पर गहराई से बातचीत की। विदेश मंत्री जयशंकर 9 से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और यूएई की चार दिनों की यात्रा पर थे। यह उनके इस दो देशों के दौरे का अंतिम हिस्सा था। शनिवार शाम को हुई इस मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। उन्होंने बताया कि बातचीत का मुख्य विषय क्षेत्र में विकसित हो रहे हालात और उनके परिणाम रहे। बैठक के दौरान जयशंकर ने यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय की भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वहां के नेतृत्व के प्रयासों की जमकर

तारीफ की।

उन्होंने भारत की ओर से इसके लिए सराहना व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और यूएई के बीच की व्यापक रणनीतिक साझेदारी आने वाले समय में और भी आगे बढ़ेगी। जयशंकर शनिवार को मॉरीशस की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद यूएई पहुंचे थे। मॉरीशस में उन्होंने 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लिया था। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य मित्र देशों के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करना था।

श्रद्धांजलि के साथ रक्तदान, चिकित्सा शिविर, एआई कॉन्फ्रेंस और जनकल्याण कार्यक्रम, हजारों लोगों ने भंडारे में लिया प्रसाद

डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की 9वीं पुण्यतिथि पर बीबीडीयू में 'अखिल ज्योत' कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बीबीडी यूनिवर्सिटी में 'अखिल ज्योत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षाविद, छात्र-छात्राएं और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप की चेयरपर्सन अलका दास गुप्ता, ग्रुप के प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट सोनाक्षी दास और देवांशी दास समेत विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो-वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, डीन, फैकल्टी और छात्र-छात्राओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बीबीडी कैंपस के ऑडिटोरियम में 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एआई इन डिजिटल ग्रोथ' का आयोजन भी हुआ। इस दौरान डॉ. निश्चल कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में एआई के उपयोग और इसके सुरक्षित

प्रयोग पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. जगदीश चंद बंसल ने ड्रोन स्वार्म टेक्नोलॉजी और उसमें एआई की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने एआई के विभिन्न आयामों और उसके भविष्य पर चर्चा करते हुए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर, दंत परामर्श, आंखों की जांच और चश्मा वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। बीबीडी कैंपस, टाइम्स स्क्वायर, कॉरपोरेट ऑफिस और यूपी बैडमिंटन एकेडमी समेत कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सामाजिक सेवा और जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला

- पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न सामाजिक और जनकल्याण गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- एनसीसी कैडेट्स द्वारा क्लॉथ डोनेशन बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों को कपड़े वितरित किए गए।
- एनएसएस के छात्रों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें करीब 100 लोगों ने रक्तदान किया।
- उत्तरधौंना गांव में लीगल अवेयरनेस, साइबर फ्रॉड जागरूकता और महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसके अलावा 'ग्रीन एन्थेम डोनेशन ड्राइव' के तहत गरीबों को गेहूं, चावल, दाल, रिफाइंड और अन्य जरूरी सामान वितरित किया गया।

बीबीडी कैंपस, टाइम्स स्क्वायर, कॉरपोरेट ऑफिस और यूपी बैडमिंटन एकेडमी समेत कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता के सामाजिक, शैक्षिक और खेल क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन समाज सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

युवक ने पत्नी को लात-घूंसों से पीटा

साले के पैर पर ट्रैक्टर चढ़ाई, सीने में दांत से काटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में घरेलू विवाद में युवक ने पत्नी के साथ मारपीट की। साले पर भी जानलेवा हमला किया, जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। युवक की सास ने मामले में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। रायभान खेड़ा गांव निवासी प्रेमा ने बताया उनकी बेटी दीपाली की शादी करीब 4 साल पहले छिबऊ खेड़ा मजरा मऊ निवासी महाबली के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही दीपाली ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि 4 अप्रैल को दीपाली ने फोन कर बताया कि उसके पति ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। गला दबाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर वह अपने बेटे के साथ बेटी की ससुराल

पहुंचीं। वहां पहुंचते ही महाबली ने उनके बेटे पर लाठी से हमला कर दिया। सीने में दांत से काट लिया, जिससे खून बहने लगा। इस दौरान महाबली का भाई देवसरन ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचा। पीड़ित महिला के अनुसार, महाबली उनके बेटे को पीटते हुए ट्रैक्टर की तरफ ले गया, जिससे वह गिर पड़ा और ट्रैक्टर का पहिया उसके पैर पर चढ़ गया। उसका पैर टूट गया।

इसके बाद देवसरन ने भी ट्रैक्टर से उतरकर बेटे को लात-घूंसों से पीटा। जिससे उसके शरीर पर कई चोटें आईं।

फास्ट न्यूज

जेद्दा जाने वाले 54-यात्रियों को विमान से उतारा

लखनऊ। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट SV-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जाते। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट SV-588 से जाना था। लेकिन, कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए। और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया गया। यह घटना बीती रात करीब 12:30 बजे हुई। उड़ान का निर्धारित समय तड़के 2:30 बजे था। इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में भारी नाराजगी देखी गई। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

कब्र से निकाला महिला का शव

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस ने एक महिला का शव कब्र से निकाला। प्रेम-प्रसंग में उसकी बहू ने ही अपने प्रेमी (भांजे) के साथ मिलकर उसको जहर देकर मार डाला। घटना 5 अप्रैल की है। मृतका की पहचान मोहन रोड स्थित इब्राहिमगंज गांव की रहने वाली शांति देवी के रूप में हुई है। बेटे मनोज रावत ने पत्नी शालिनी और भांजे करन के खिलाफ 10 अप्रैल को एफआईआर कराई थी। पुलिस ने आरोपी महिला से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली है। उसने ससुर और पति को भी मारने का प्लान बनाया था। पुलिस ने शनिवार शाम 6:30 बजे कब्र खोदकर शव बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

आईपीएल मैच के चलते बदला रहेगा ट्रैफिक

लखनऊ। लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आज दोपहर 3:30 बजे से आईपीएल मैच खेला जाएगा। इसको लेकर यातायात पुलिस ट्रैफिक प्लान जारी किया है। दोपहर 12 बजे से मैच खत्म होने तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन और प्रतिबंध लागू रहेंगे। मैच के दौरान शहीद पथ पर रोडवेज, प्राइवेट बसों और अन्य व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इन वाहनों को अमूल तिराहा और कटाई पुल से डायवर्ट किया जाएगा। हालांकि निजी कार और टैक्सी पर रोक नहीं होगी।

शिक्षकों की हर समस्या का होगा समुचित समाधानः केशव प्रसाद मौर्य

यूटा के प्रांतीय अधिवेशन में शिक्षकों के योगदान को मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की हर समस्या के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। शिक्षक और विद्यालय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।उप मुख्यमंत्री रविवार को आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित राजदेवम् ऑडिटोरियम में आयोजित यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज सरकारी विद्यालय संसाधनों, सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में महंगे निजी एवं कॉन्वेंट स्कूलों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन हमारे समर्पित शिक्षकों के परिश्रम और नवाचार-पूर्ण शिक्षण पद्धतियों का परिणाम है। उन्होंने

शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षक समाज निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा, छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संवेदनशील एवं तत्पर है। कार्यक्रम में उन्होंने यूटा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

अधिवेशन मे विभिन्न वक्ताओं ने अपने संबोधन में शिक्षकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों एवं शिक्षकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य श्री विजय शिवहरे, शिक्षक विधायक डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक श्री भगवान सिंह कुशवाहा, डॉ. जी. एस. धर्मेश श्री प्रशांत पोनिया, श्री राजकुमार गुप्ता,सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आशा भोसले के निधन पर प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने जताया गहरा शोक

लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने भारतीय संगीत जगत की स्वर-सम्राज्ञी आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मंत्रियों ने अपने संयुक्त शोक संदेश में कहा कि आशा भोसले जी का निधन अत्यंत दुःखद है और यह कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं और उनके मधुर स्वर सदैव देशवासियों के मन में गूंजते रहेंगे। मंत्रियों ने कहा कि आशा भोसले जी ने अपने दीर्घ संगीत जीवन में भारतीय संगीत को समृद्ध किया और अपनी विशिष्ट शैली से करोड़ों लोगों के दिलों में स्थान बनाया।

निकाह में बवाल, जमकर चले ईंट-पत्थर, कई के सिर फूटे

लखनऊ में डीजे में डांस पर भिड़े घराती और बराती

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ में निकाह के दौरान बवाल हो गया। घराती और बराती आपस में भिड़ गए। डीजे में डांस को लेकर दो लड़कों के बीच शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे मारपीट में बदल गया।

दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर भी चलने लगे। मामला महिंगवां इलाके के सरसवां गांव का शनिवार दोपहर 2 बजे का है। यहां रोजान अली की बेटी गोसिया की बारात बाराबंकी से आई थी। उसका निकाह फतेहपुर थाना क्षेत्र के नइयाबाद के मोहम्मद नसीम के बेटे रेहान से तय था। बारात में कुछ बाराती डांस कर रहे थे। कुछ समय बाद लड़की पक्ष के भी कुछ लड़के डांस करने लगे। इसी दौरान डांस कर रहे

दोनों पक्षों के लड़कों में धक्का-मुक्की हो गई।

उसके बाद विवाद बढ़ गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बारातियों ने निकाह से इन्कार कर दिया। कई बाराती बिना खाना खाए ही लौटने लगे थे। विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उपनिरीक्षक ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। काफी देर तक चली बातचीत और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझा। पुलिस ने देररात निकाह कराया।

11 लाख रुपए की साइबर ठगी

एफआईआर के लिए कोर्ट पहुंचा पीड़ित

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से 11.05 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने बैंक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में कार्रवाई न होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

कोर्ट के आदेश पर जानकीपुरम थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पीड़ित कुमार विक्रम के मुताबिक, 20 जून 2024 को दोपहर 2:18 बजे उनके मोबाइल पर 5 लाख रुपए ट्रांसफर का मैसेज आया। यह ट्रांजेक्शन उन्होंने नहीं किया था। कस्टमर केयर से संपर्क करने पर पता चला कि एक दिन पहले यानी 19 जून को ही 3.50 लाख, 1.50 लाख और 5 हजार रुपए निकाले जा चुके थे। इसके अलावा 20 जून को 5 लाख और शाम तक 6 लाख रुपए

और ट्रांसफर हो गए। कुल मिलाकर 11.05 लाख रुपए खाते से साफ हो गए। पीड़ित का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद बैंक ने तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की और 24 घंटे इंतजार करने को कहा। बाद में खाते की सेवाएं बंद कराई गईं। उनका कहना है कि बिना OTP या अलर्ट के इतनी बड़ी रकम निकलना बैंकिंग सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है। पीड़ित के अनुसार, बैंक ने जांच के नाम पर खाते में 16.05 लाख रुपए की क्रेडिट लिमिट डाली, जिससे भरोसा बना।

बिना पिलर के बना म्यूजियम

हेरिटेज एंड आर्ट में दिखेगी अवध की तहजीब, इतने रुपए का होगा टिकट

- म्यूजियम का ज्यादातर हिस्सा बिना किसी पिलर के सहारे के है।
- म्यूजियम के अंदर वीआर गेमिंग एरीना भी बनाया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हुसैनाबाद इलाके में बना 'म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट' अब पूरी तरह तैयार है। करीब 4,973 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस म्यूजियम की सबसे बड़ी खासियत इसकी अनोखी संरचना है। यह प्रदेश की पहली ऐसी इमारत है, जिसमें 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर बिना किसी कॉलम या पिलर के तैयार किया गया है। आकर्षक डिजाइन इसे शहर की नई आइकॉनिक पहचान बना रही है। म्यूजियम सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। बच्चों के लिए 50 रुपए और वयस्कों के लिए 100 रुपए प्रवेश शुल्क तय किया

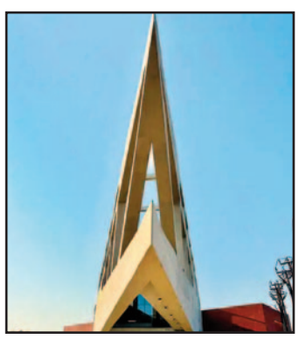

गया है। म्यूजियम में अवध की संस्कृति, इतिहास और कला को आधुनिक तकनीक के जरिये प्रस्तुत किया गया है। यहां मूल धारा हुनर का सफर गंगा-जमुनी तहजीब' और 'जायका-ए-अवध' जैसी थीम आधारित गैलरियां विकसित की गई हैं। खास बात यह है कि विजिटर्स को इतिहास से जोड़ने के लिए वीआर गेमिंग एरीना भी बनाया गया है, जिससे लोग अतीत को नए तरीके से अनुभव कर सकेंगे। यह म्यूजियम न सिर्फ शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम देगा। यहां आने वाले लोग अवध की शिल्पकला, साहित्य और परंपराओं को करीब से समझ सकेंगे। इससे स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह म्यूजियम न केवल शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम देगा। यहां आने वाले लोग अवध की शिल्पकला, साहित्य और परंपराओं को करीब से समझ सकेंगे। इसके साथ ही स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। 'म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट' आने वाले समय में लखनऊ के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो सकता है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए खास केंद्र बन सकता है।

कन्नौज हादसे पर अखिलेश यादव ने जताया दुख

ओवरलोड ट्रक पलटने से कई की मौत, सपा ने 1-1 लाख की मदद का ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/कन्नौज। अखिलेश यादव ने कन्नौज में कोयला लदे ओवरलोड और अनियंत्रित ट्रक के दुकान पर पलटने से हुई दर्दनाक घटना पर गहरा दुख जताया है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस हादसे के बाद समाजवादी पार्टी ने मृतकों के परिजनों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। अखिलेश यादव ने राज्य सरकार से मांग की है कि इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। घटना

के बाद एक बार फिर सड़कों पर ओवरलोड वाहनों की समस्या और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही आम बात है, जिससे इस तरह के हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोडिंग पर नियंत्रण किया जाता, तो इस तरह की घटना को टाला जा सकता था।

पृष्ठ 01 का शेष...

टीएमसी ने मदरसों के लिए...

लेकिन हमने CAA की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है। आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के चेयरमैन हुमायूं कबीर ने वायरल वीडियो पर कहा कि स्टिंग में दिखाया गया वीडियो उनका है, लेकिन AI से ऑडियो बदला गया है। उन्होंने संवाददाता से कहा कि एक व्यक्ति पत्रकार बनकर आया था, उसी ने रिकॉर्ड किया। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के कुछ लोग टीएमसी से मिले हैं और पैसों की डील कर रहे हैं। इसलिए वीडियो के बाद ओवैसी ने कुछ नहीं कहा और समर्थन वापस ले लिया। इसकी जानकारी मुझे पत्रकारों से मिली। अब हम खुद किसी पार्टी के पास नहीं जाएंगे, जरूरत पड़ी तो जो समर्थन मांगेगा उसे देंगे। मैं बाबरी मस्जिद कमेटी से भी हट गया हूं। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी को कभी किसी पार्टी से, कभी भाजपा और कभी टीएमसी से जोड़ दिया जाता है। वे अपना काम करते रहेंगे और बंगाल में मुस्लिम समुदाय की निष्ठा पर सवाल उठाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ओवैसी ने कहा कि पिछले 50-60 साल से राज्य में धर्मनिरपेक्ष सरकारें रही हैं, लेकिन इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय की स्थिति खराब है। सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर हालात कमजोर हैं। तमिलनाडु के रामनाथपुरम में रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि तमिलनाडु समेत जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां NDA की लहर है। गठबंधन तमिलनाडु में सरकार बनाएगा।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई...

इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। वक्त कम हो, तो बाबा अमरनाथ दर्शन के लिए बालटाल रूट से जा सकते हैं। इसमें सिर्फ 14 किमी की चढ़ाई चढ़नी होती है, लेकिन एकदम खड़ी चढ़ाई है, इसलिए बुजुर्गों को इस रास्ते पर दिक्कत होती है। इस रूट पर संकरे रास्ते और खतरनाक मोड़ हैं।

लाल जी टंडन कृत पुस्तक...

प्रतिनिधियों ने लखनऊ में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं के संबंध में भी चर्चा की और अनुरोध पत्र सौंपे। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद सुनील कुमार की पत्नी सुजाता कुमारी, बेटे सौरभ, शिवेश, निशांत, सुशांत, अखिलेश और परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट किया। परिवार का हाल चाल जाना। राजनाथ सिंह का 3 दिवसीय लखनऊ दौरे का आज दूसरा दिन है। पहले दिन 11 अप्रैल को लक्ष्मण मंडपम समेत 58.279 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया था। अंतिम दिन सोमवार को 'सांसद खेल महाकुंभ' का उद्घाटन कर युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करेंगे। महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी ने लालजी टंडन को याद करते हुए उन्हें एक सरल, सौम्य और जनसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि लालजी टंडन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि मानवीय मूल्यों से जुड़े हुए ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने उनके जीवन को नैतिकता, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि उनका व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा।

डोनाल्ड ट्रम्प ने जहाजों की...

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना उन जहाजों को भी रोकेगी जिन्होंने ईरान को कोई टोल दिया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस इलाके में लगाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों को भी हटाया जाएगा। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान या उसकी ओर से कोई हमला होता है, तो अमेरिका उसका कड़ा जवाब देगा। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते के जरिए दुनिया से जबरन पैसे वसूलने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका इस तरह के दबाव को कभी नहीं मानेगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम ही इस पूरे विवाद की जड़ है और इसी वजह से देश को भारी नुकसान हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रहने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बातचीत की। रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए हर संभव मदद देने को तैयार है। रूस की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि पुतिन ने राजनीतिक और कूटनीतिक रास्ते से इस समस्या का हल निकालने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि रूस एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है। UAE की सरकारी तेल कंपनी ADNOC के प्रमुख सुल्तान अल जाबेर ने कहा है कि होर्मुज रूट पर सिर्फ ईरान का कंट्रोल नहीं है और वह इसे बंद नहीं कर सकता। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि अगर इस रूट में किसी तरह की रुकावट डाली जाती है, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। खासकर तेल और गैस की सप्लाई, खाने की चीजें और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। सुल्तान अल जाबेर ने चेतावनी दी कि ऐसा कदम एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिसे दुनिया के लिए स्वीकार करना मुश्किल होगा। दुनिया इस तरह की स्थिति को झेल नहीं सकती और इसे रोकना जरूरी है। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिकी टीम का कोई भी सदस्य पाकिस्तान में नहीं रुका। एक अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, टीम के सभी सदस्य, जिनमें स्पेशल प्रतिनिधि और तकनीकी टीम भी शामिल थी, बातचीत खत्म होने के बाद वापस चले गए। इससे साफ है कि फिलहाल बातचीत दोबारा तुरंत शुरू होने की संभावना नहीं है। लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइली सेना पर दो हमले करने का दावा किया। उसने बताया कि पहले हमले में वेस्ट बैंक के तैयबेह इलाके में एक सैन्य गाड़ी को ड्रोन से निशाना बनाया, जिसमें सैन्य अधिकारी मौजूद थे। वहीं दूसरे हमले में उसने उत्तरी इजराइल में किरयात शमोना के सैन्य ठिकाने पर ड्रोन हमला किया। ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए युद्ध में अब तक 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी ईरान की फोरेंसिक मेडिसिन संस्था के प्रमुख अब्बास मस्जेदी अरानी ने दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा उन शवों की पहचान के बाद सामने आया है, जिनकी जांच फोरेंसिक टीमों ने की।

प.बंगाल में एसआईआर...

चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए SIR की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को SIR शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाता करीब 51 करोड़ थे। फाइनल लिस्ट के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई। SIR के दूसरे फेज में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की गई है।

उत्तर प्रदेश में SIR की फाइनल लिस्ट में वोटर्स 13% घटकर 13.39 करोड़ रह गए हैं। यानी 2.04 करोड़ नाम कट गए हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में भी करीब 91 लाख नाम बाहर हुए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676